अग्नि परीक्षा से अग्निशिखा जीवन

➢➢ लोकिक परिवार से किस किस प्रकार की परीक्षा ?

➳ _ ➳ मोह

➳ _ ➳ सदस्यों की बीमारी या मृत्यु

➳ _ ➳ लोकिक परिवार की समस्याओं में हमें बुलाते हैं

→ धन का अभाव

→ नौकरी

→ Addiction / लत

➳ _ ➳ पहले ज्ञान में चलते थे, अब छोड़ दिया है

➢➢ विचार करें / समाधान

➳ _ ➳ क्या हमारे जाने से उनकी समस्या ठीक होने वाली है ?

➳ _ ➳ कहीं उन्हें होंसला देते देते हम उनके मोह में न बंध जाएँ ?

➳ _ ➳ उनकी स्थिति ऊपर उठाने की बजाये हमारी स्थिति नीचे न चली जाए ?

→ हमारा सबसे पहला कर्तव्य हमारी स्थिति को maintain रखना है

→ हम अपनी स्थिति खोकर अगर उनकी मदद करना चाहते है, तो वह मदद उन्हें नहीं मिलेगी

- मदद हमेशा श्रेष्ठ स्थिति से की जाती है

→ मदद करना एक महान कर्म है

- पर उसके लिए स्थिति भी महान होनी चाहिए

➳ _ ➳ वास्तविक मदद क्या है ?

→ हमें उनका कल्याण नहीं करना है

- बल्कि परम कल्याण करना है... उनकी स्थिति को ऊपर उठाना है

→ हमें परिस्थितियों के साथ कुछ नहीं करना है

- बल्कि उनकी स्थिति के साथ करना है

➢➢ साथियों से किस किस प्रकार के पेपर ?

➳ _ ➳ संस्कारों की टक्कर

➳ _ ➳ LEG PULLING

➳ _ ➳ सूक्ष्म विकार

→ घृणा

→ COMPARISON / तुलना

➢➢ विचार करें / समाधान

➳ _ ➳ ज्ञान योग की कमी से ये सब कुछ होता है ...

➳ _ ➳ बात बात पर दूसरों के जज न बनें..

➳ _ ➳ शब्दों का इस्तेमाल सोच समझ कर करें...

➢➢ बड़ों से किस किस प्रकार के पेपर ?

➳ _ ➳ वैचारिक मतभेद

➳ _ ➳ Communication Gap

→ Misunderstanding

➳ _ ➳ Partiality

➢➢ विचार करें / समाधान

➳ _ ➳ Rule No 1 :- BOSS IS Always Right

➳ _ ➳ If Boss Is Not Right… Follow Rule No 1

➳ _ ➳ Boss को क्या क्या न कहें ?

→ मुझे नहीं लगता ऐसा

→ मैंने बताया तो था पहले

→ मैने मेल तो किया था आपको

→ मैंने पहले ही बोला था

→ मेरी भी तो मानो

➳ _ ➳ Boss की कभी किसी के सामने निंदा / ग्लानी न करें

→ क्योंकि एक न एक दिन आपकी बोली हुई वाणी उस तक जरूर पहुंचेगी

➳ _ ➳ हमारी उनके प्रति बहुत ज्यादा Expectations ही हमारे दुःख का कारण है

➳ _ ➳ **हम यह भूल रहे हैं की पुरुषार्थ की डगर में वह आत्मा भी एक राही है**

➳ _ ➳ याद रखें :- इस पुरुषार्थ के मार्ग में हम अकेले हैं

→ हमारा कोई साथी नहीं है

- और अगर किसी को साथी बनाया तो वह ही बंधन बन जाएगा

➳ _ ➳ **झुक झुक सीख सीख मर मर**

➳ _ ➳ वैचारिक मरना होता है

→ इच्छाओं को नीचे झुकाना होता है

➢➢ शारीरिक बीमारी

➳ _ ➳ आध्यात्मिक थकान लाती है

→ बहुत ज्यादा देह भान लाती है

→ मनोबल कम कर देती है

→ उमंग उत्साह कम कर देती है

➢➢ विचार करें / समाधान

➳ _ ➳ बीमारी का चिंतन न करें

➳ _ ➳ महसूस करें

→ मैं बिलकुल स्वस्थ हूँ ...

➳ _ ➳ नियमित exercise / भोजन

➳ _ ➳ बीमारी के समय क्या करें ?

→ मनसा सेवा करें

→ डॉक्टर / नर्स को बाबा का परिचय दें

→ ड्रामा के पाठ को पक्का करें

➢➢ स्टूडेंट्स से किस किस प्रकार के पेपर ?

➳ _ ➳ विरोध / Anti

➳ _ ➳ दी हुई चीज़ वापिस माँगना

➳ _ ➳ क्लास में अचानक आना बंद

➳ _ ➳ रूठ जाना

➳ _ ➳ निंदा करना

➳ _ ➳ कारोबार में Interfere

➳ _ ➳ VIP Treatment की Expectation

➢➢ विचार करें / समाधान

➳ _ ➳ कोई छोड़ के चला जाए तो ड्रामा के पाठ को पक्का करें

→ शिव बाबा / ब्रह्मा बाबा से पालना लेकर भी बहुत आत्माएं ड्रामा अनुसार छोड़कर चली गयी

➳ _ ➳ स्टूडेंट्स को पकड़ के रखने की कोशिश न करें

➢➢ अज्ञानियों से किस किस प्रकार के पेपर ?

➳ _ ➳ निंदा / उपहास

➳ _ ➳ कोर्ट केस / पुलिस केस

➢➢ मधुबन से किस किस प्रकार के पेपर ?

➳ _ ➳ Accomodation

➳ _ ➳ Transport

➳ _ ➳ Familarity

→ लगाव / झुकाव

➳ _ ➳ मधुबन आकर बीमार हो जाना